विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी दिनांक-24/06/2020
वर्ग-पंचम विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी

पाठ-7 कारक (case)

सुप्रभाबच्चों,
आज की कक्षा में आपको कारक के बारे में जानना है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपको जो अध्ययन-सामग्री दी जाती है उसे आप पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। चलिए अब कारक के बारे में जाने, जो कि इस प्रकार है। :—

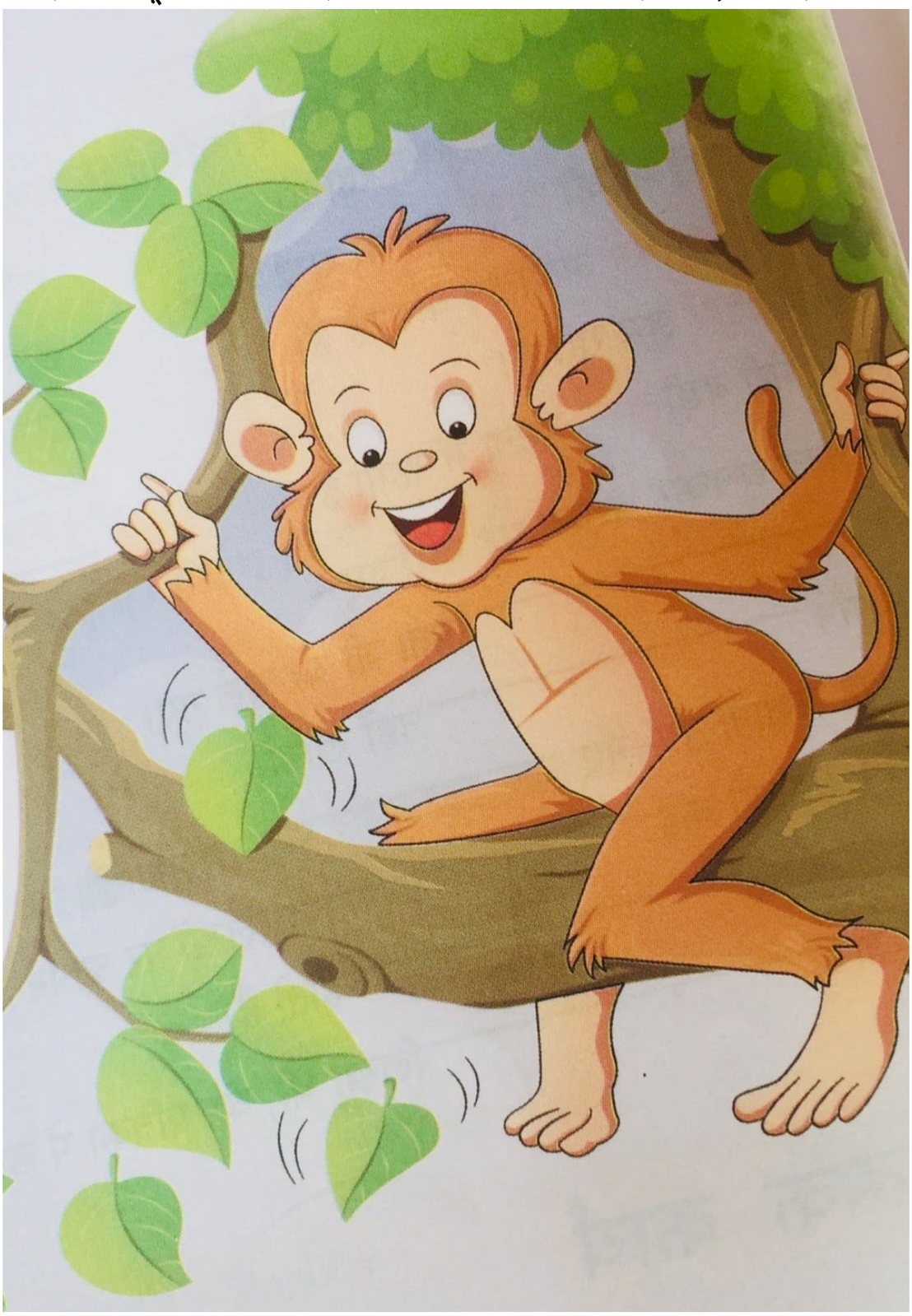

चित्र को देखिए और समझिए कि क्या हो रहा है—

बंदर डाल बैठा है।
वह डाल ज़ोर-ज़ोर हिला रहा है।
डाल पत्ते गिर रहे हैं।
आप कुछ नहीं समझ पाए न! अब इन वाक्यों को पढ़िए—
*बंदर डाल **पर** बैठा है।*
*वह डाल **को** ज़ोर-ज़ोर से हिला रहा है।*
*डाल **से** पत्ते गिर रहे हैं।*

आप जान गये ना कि पर, को, से जोड़ देने से संज्ञा(डाल) का क्रिया (बैठना, हिलना, गिरना) से सम्बंध स्पष्ट हो गया है।
संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से वाक्य के अन्य शब्दों के साथ उसके सम्बंध का पता चले, उसे कारक कहते हैं।
आपने यह भी देखा कि संज्ञा या सर्वनाम का सम्बंध पर, को, से के कारण ही स्पष्ट हो पाया। ये शब्द कारक के चिह्न कहलाते हैं।
ने,से, को, लिए, का, की, के, में, पर, हे, अरे कारक के चिह्न हैं। ये कारक की विभक्तियाँ या कारक के पपरसर्ग कहलाते हैं।

कारक के भेद

***कारक के आठ भेद होते हैं—** कर्ता कारक, कर्म कारक, करण कारक, संप्रदान कारक, अपादान कारक, सम्बंध कारक, अधिकरण कारक और सम्बोधन कारक।*

बच्चों, दी गयी अध्ययन-सामग्री को अपनी वर्ग-कार्य कॉपी में सुंदर अक्षरों में लिखें।

गृहकार्य :—

बच्चों, पेज नं— 44 में दिए गए अभ्यास के प्रश्न नं- 1 को अपनी उत्तर पुस्तिका में हल करें।